माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार द्वारा दिया गया ''अन्नदाता सम्मान''

पटना, 24 दिसम्बर, 2016

ईटीवी न्यूज नेटवर्क द्वारा आयोजित ''अन्नदाता सम्मान एवं उन्नत कृषि संवाद'' कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 24/12/2016 को केन्द्रीय आलू अनुसंधान केन्द्र, पटना में किया गया जिसके मुख्य अतिथि श्री राधा मोहन सिंह, माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार थे। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री, श्री रामकृपाल यादव जी थे। इस कार्यक्रम में ईटीवी न्यूज नेटवर्क के प्रमुख, श्री जगदीश चन्द्र जी; डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति, डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव; भा.कृ.अनु.प. का पूर्वी अनुसंधान परिसर के निदेशक, डॉ0 बी.पी. भट्ट; नाबार्ड, बिहार एवं पटना के मुख्य महाप्रबंधक श्री ए.आर. मिश्रा ने भाग लिया।

इस अवसर पर माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री द्वारा ईटीवी न्यूज नेटवर्क द्वारा चयनित बिहार के 7 किसानों को महत्वपूर्ण सम्मानों से सुशोभित किया गया। ये पुरस्कार कृषि के विभिन्न आयामों में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए दिया गया है। इन महत्वपूर्ण पुरस्कारों में समेकित कृषि प्रणाली अपनाने एवं बढ़ावा देने के लिए श्री संकेत कुमार को ''अन्नदाता कृषि गौरव सम्मान'', प्रगतिशील डेयरी की स्थापना एवं पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए श्री संतोष कुमार को ''अन्नदाता गोकुल सम्मान'', जैविक खेती के लिए श्री राकेश कुमार को ''अन्नदाता भूमिपुत्र सम्मान'', बागवानी में हाईटेक कृषि के लिए श्री भूपेंद्र कुमार गिरी को ''अन्नदाता नव प्रवर्तक सम्मान'', चौर एवं जलजमाव क्षेत्र में सामूहिक मछली पालन के लिए श्री त्रिपुरारी चौधरी को ''अन्नदाता कृषि अविष्कारक सम्मान'', लीची की उन्नत कृषि प्रणाली के लिए श्री सुधांशु कुमार को ''अन्नदाता उद्यान सिरमौर सम्मान'' तथा मशरूम उत्पादन हेतु श्रीमती चंदा वर्मा को ''अन्नदाता कर्मयोगी सम्मान'' से सम्मानित किया गया।

माननीय कृषि मंत्री ने कहा कि भारत सरकार किसानों की आमदनी 2022 तक दुगुनी करने के लिए कटिबद्ध है तथा केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय इस दिशा में हर संभव कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी द्वारा अपना एक बीज उत्पादन केन्द्र खोलने के लिए जमीन की मांग राज्य सरकार से की गई है। इससे बिहार के सब्जी उत्पादक किसानों को काफी लाभ मिलेगा। बिहार राज्य के अंतर्गत मगध तथा सारण में कृषि कॉलेज, मोतिहारी में उद्यान एवं वानिकी कॉलेज और मधुबनी में पशु चिकित्सा एवं मात्स्यिकी कॉलेज को स्वीकृति दी गई है। इस संबंध में जमीन आवंटित करने का अनुरोध राज्य सरकार से किया गया है जो अप्राप्त है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र, मुजफ्फरपुर द्वारा पौधा प्रसरण सह प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना हुई है। पूर्वी चम्पारण जिले के महेसी प्रखंड के महामदा बीज गुणन प्रक्षेत्र में जमीन की मांग भारत सरकार ने की है। इसके लिए 7 करोड़ 56 लाख रूपये की योजना अनुशंसित एवं स्वीकृत है तथा एक करोड़ की राशि भी आवंटित कर दी गई है परन्तु राज्य सरकार द्वारा अभी तक जमीन का आवंटन नहीं किया गया है।

माननीय कृषि मंत्री ने बताया कि कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने और सुदृढ़ बनाने हेतु उपलब्ध चार क्षेत्रीय फार्म मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थानों के अलावा, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश राज्यों में 4 नए संस्थान स्थापित करने की योजना बनाई गई है। गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश राज्यों ने क्रमशः राजकोट, अकोला और बदायूं में संस्थान की स्थापना हेतु पर्याप्त भूमि का चयन कर लिया गया है। परन्तु बिहार राज्य ने बार–बार अनुसरण और अनुरोध के बावजूद अभी तक इस संबध में कोई भी पहल नहीं की है।

इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री, श्री रामकृपाल यादव जी ने भारत सरकार द्वारा किसानों के हितों के लिए किये जा रहे विभिन्न प्रयासों से किसान भाइयों को अवगत कराया। इसके अतिरिक्त ईटीवी न्यूज नेटवर्क के प्रमुख, श्री जगदीश चन्द्र जी; डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति, डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव;

भा.कृ.अनु.प. का पूर्वी अनुसंधान परिसर के निदेशक, डॉ0 बी.पी. भट्ट तथा अन्नदाता कार्यक्रम के सीनियर प्रोड्यूसर, श्री जे.पी. सिंह जी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।

इस कार्यक्रम के उपरांत वर्ष 2022 तक किसानों की आय दुगुनी करने की योजना पर परिचर्चा की गई जिसमें डॉ आर.सी. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, डॉ राजेन्द्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, बिहार, डॉ बी.पी. भट्ट, निदेशक भा.कृ.अनु.प. का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना, डॉ के.एम. सिंह, निदेशक प्रसार, डॉ राजेन्द्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, बिहार, श्री आर.ए. मिश्रा, मुख्य महाप्रबन्धक, नाबार्ड, बिहार, पटना, श्री वाई.पी. सिंह, एरिया मैनेजर, इफको, पटना, श्री कौशलेन्द्र, कार्यकारी निदेशक, कौशल्या फाउण्डेशन तथा श्री भानु प्रकाश जेना, मैनेजर एग्रीकल्चर इन्सयोरेन्स कम्पनी ऑफ इन्डिया, पटना ने भाग लिया एवं अपने अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर बिहार राज्य के 250–300 किसान, डॉ. राजेन्द्र प्रसार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पूसा तथा आई.सी.ए.आर. के विभिन्न संस्थान के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

धन्यवाद ज्ञापन ईटीवी न्यूज के नेशनल एडीटर, श्री असीत कुणाल जी द्वारा किया गया।

(स्रोतः भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना)